पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

परमवीर चक्र से सम्मानित शहीदों के भित्ति-चित्र का मध्य कमान स्थित युद्ध स्मारक 'स्मृतिका' में अनावरण

लखनऊः 22 दिसम्बर, 2014

मध्य कमान स्थित युद्ध स्मारक 'स्मृतिका' में आज मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित शाहजहाँपुर निवासी नायक जदुनाथ सिंह, गाजीपुर निवासी हवलदार अब्दुल हमीद तथा लखनऊ निवासी कैप्टन मनोज पाण्डेय के भित्ति-चित्र का अनावरण किया गया। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने वीर अब्दुल हमीद के भित्ति-चित्र का अनावरण किया तथा उनकी पत्नी, श्रीमती रसूलन बीबी को अंग वस्त्र प्रदान करके सम्मानित किया। समारोह में मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव की ओर से चीफ आफ स्टाफ, ले0 जनरल श्री जी0एस0 शेरगिल ने कैप्टन मनोज पाण्डेय के भित्ति-चित्र का अनावरण कर उनके माता-पिता श्रीमती व श्री गोपी चन्द्र पाण्डेय को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री आज दिल्ली में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम होने के कारण समारोह में नहीं उपस्थित हो सके थे मगर उन्होंने अपना संदेश जरूर भेजा था। नायक जदुनाथ सिंह के उठाव चित्र का अनावरण मध्यम कमान के प्रमुख ले0 जनरल राजन बख्शी ने किया और उनके संबंधी श्री रामदास को सम्मानित किया।

राज्यपाल ने अनावरण के बाद अपने उद्बोधन में कहा कि वे आज तीसरी बार मध्यम कमान युद्ध स्मारक 'स्मृतिका' में आये हैं। पहली बार कारगिल युद्ध के शहीदों को नमन करने, फिर 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद होने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और आज परमवीर चक्र से सम्मानित शहीदों के भित्ति-चित्र के अनावरण समारोह में आये हैं। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह में दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से अनुरोध करेंगे कि भारतीय सेनाओं के तीनों अंग के प्रमुख होने के नाते देश के परमवीर चक्र से सम्मानित सभी 21 योद्धाओं के भित्ति-चित्र राष्ट्रपति भवन में लगाये जाये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन में ऐसे चित्रों के लगने से जहाँ शहीदों को सम्मान मिलेगा वही देश की जनता भी उनको नमन कर सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री, श्री मनोहर पार्रिकर से भी अनुरोध करेंगे कि देश में अन्य योग्य सार्वजनिक स्थलों पर ऐसे चित्रों को स्थापित किया जाये जिससे देश के नागरिक भारतीय सेना के शूरवीर योद्धाओं के बारे में जान सके व नई पीढ़ी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर सके।

श्री नाईक ने कहा कि भारत वीरों की भूमि है। भारतीय सेना विश्व में बेहतरीन सेना है। हमारे सैनिक सीमा पर जागते है तो पूरा देश चैन से सोता है। हमें अपने शहीदों के परिजनों का सम्मान करना चाहिये। परिवार ने देश की रक्षा के लिये अपनों को खोया है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने ऐसे शहीदों पर हमें गौरव होना चाहिए।

राज्यपाल ने बताया कि प्रख्यात शिल्पकार, श्री उत्तम पाचारणे ने अपनी इच्छा बताई है कि वे परमवीर चक्र से सम्मानित देश के वीर योद्धाओं के उठाव चित्र बनाना चाहते हैं जिसके पीछे युद्ध भूमि के दृश्य प्रदर्शित किये जाये। राज्यपाल ने कहा यह कल्पना पसन्द आयी। 'मैंने सोचा क्यों न यह कार्य उत्तर प्रदेश से आरम्भ किया जाये। यह प्रसन्नता की बात है कि प्रदेश सरकार एवं लखनऊ के मध्य कमान ने उनके सुझाव को मानते हुए इसे मूर्त रूप दिया'।

श्री नाईक ने बताया कि जब वे केन्द्र में पेट्रोलियम मंत्री थे तो उन्होंने सम्मान स्वरूप कारगिल शहीदों के परिजनों को पेट्रोल पम्प व गैस एजेन्सी आवंटित कराई थी जिससे परिजनों को आगे जीवन जीने का सहारा मिल सके। उन्होंने कहा कि उस समय परिजनों को देखकर बहुत अफसोस होता था क्योंकि उनमें कुछ तो बहुत वृद्ध माता-पिता थे और कुछ ऐसी विधवायें थीं जिनकी उम्र बहुत कम थी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर युद्ध स्मारक 'स्मृतिका' पर पुष्प चक्र रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक भी उपस्थित थी। ले0 जनरल राजन बख्शी ने सभी उपस्थित जनों के प्रति अपना आभार प्रकट किया।